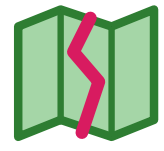




1 संगम युग का परिचय



चेर

+

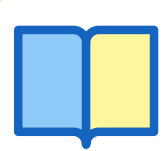
चोल

+

पांड्य

- **संगम युग**: प्राचीन दक्षिण भारत के तमिल क्षेत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण काल।
- **मुख्य क्षेत्र**: वर्तमान तमिलनाडु तथा आसपास के तमिल-भाषी क्षेत्र।
- **प्रमुख राजवंश**: चेर, चोल और पांड्य।
- संगम साहित्य प्राचीन तमिल समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार, धर्म और संस्कृति की जानकारी देता है।
- संगम सभाओं की परंपरा तमिल विद्वानों और कवियों से संबंधित है; इनके पारंपरिक विवरणों तथा ऐतिहासिक प्रमाणों में अंतर ध्यान में रखना चाहिए।

2 संगम साहित्य के प्रमुख स्रोत



एतुत्तोकै
आठ संग्रह

+

पट्टप्पाट्टु
दस दीर्घ काव्य

साहित्य / ग्रंथ	प्रमुख विशेषता
तोल्काप्पियम	प्राचीन तमिल व्याकरण एवं काव्यशास्त्र
एतुत्तोकै	आठ काव्य-संग्रह
पट्टप्पाट्टु	दस दीर्घ काव्य
अकनानूरु	प्रेम एवं व्यक्तिगत जीवन से संबंधित काव्य
पुरनानूरु	युद्ध, वीरता, दान और सार्वजनिक जीवन
शिलप्पदिकारम्	तमिल महाकाव्य; परंपरागत रूप से इलंगो अडिगल से संबंधित
मणिमेकलै	तमिल महाकाव्य; बौद्ध विचारों से संबंधित

महत्वपूर्ण तथ्य

- **एतुत्तोकै + पट्टप्पाट्टु**: संगम साहित्य के प्रमुख संग्रह।
- **तोल्काप्पियम**: तमिल व्याकरण और साहित्यिक परंपरा का प्रमुख ग्रंथ।
- **शिलप्पदिकारम् और मणिमेकलै**: उत्तर-संगम साहित्यिक परंपरा से संबंधित प्रमुख महाकाव्य।
- संगम साहित्य में प्रेम-काव्य के लिए अकम तथा सार्वजनिक जीवन, युद्ध एवं वीरता के लिए पुरम की अवधारणाएँ महत्वपूर्ण हैं।

3 संगम समाज एवं अर्थव्यवस्था



- कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प और समुद्री व्यापार प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ थीं।
- रोमन संसार के साथ व्यापार के प्रमाण मिलते हैं।
- प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं में काली मिर्च, मोती, वस्त्र और अन्य विलासिता की वस्तुएँ शामिल थीं।
- बंदरगाहों तथा समुद्री व्यापार ने दक्षिण भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

4 चेर, चोल और पांड्य राजवंश



चेर
धनुष

चोल
बाघ

पांड्य
मछली

राजवंश	प्रमुख क्षेत्र	प्रमुख राजधानी / केंद्र	प्रतीक
चेर	वर्तमान केरल तथा पश्चिमी तमिल क्षेत्र	वंजी; करूर से भी संबंध	धनुष
चोल	कावेरी घाटी एवं पूर्वी तमिल क्षेत्र	उरैयूर; पुहार प्रमुख बंदरगाह	बाघ
पांड्य	दक्षिणी तमिल क्षेत्र	मदुरै	मछली

- चेर शासक सेंगुट्टुवन: संगम साहित्य का प्रसिद्ध शासक; पट्टिनी पूजा की परंपरा से संबंधित।

- चोल शासक करिकाल: संगम युग के प्रसिद्ध चोल शासक; वेन्नि के युद्ध में विजय से संबंधित।

- पांड्य शासक नेडुंजेलियन: संगम साहित्य में वर्णित प्रमुख पांड्य शासकों में से एक।

- कोरकई: पांड्य क्षेत्र का प्रमुख प्राचीन बंदरगाह, मोती व्यापार के लिए प्रसिद्ध।

- पुहार / कावेरीपट्टिनम: चोल क्षेत्र का प्रमुख समुद्री व्यापारिक केंद्र।

- मुजिरिस: चेर क्षेत्र से संबंधित प्रसिद्ध प्राचीन व्यापारिक बंदरगाह।

5 संगम समाज की पाँच भौगोलिक-सांस्कृतिक श्रेणियाँ



संगम साहित्य में तिणै की अवधारणा प्राकृतिक भू-दृश्य और जीवनशैली को जोड़ती है।

तिणै	भू-दृश्य	प्रमुख गतिविधि
कुरिंजी	पर्वतीय क्षेत्र	शिकार एवं संग्रह
मुल्लै	वन एवं चरागाह	पशुपालन
मरुतम	उपजाऊ कृषि भूमि	कृषि
नेयदल	तटीय क्षेत्र	मछली पकड़ना एवं समुद्री व्यापार
पालै	शुष्क क्षेत्र	कठिन यात्रा एवं संघर्ष

6 प्रशासन, समाज एवं संस्कृति



- राजा प्रमुख राजनीतिक शासक था; उसके साथ स्थानीय सरदारों और योद्धाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण थी।

- कृषि अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार थी; धान, गन्ना, कपास और काली मिर्च प्रमुख उत्पादों में शामिल थे।

- समुद्री व्यापार के माध्यम से दक्षिण भारत के संबंध रोमन संसार और अन्य विदेशी व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़े थे।

- कवि, गायक और नर्तक राजदरबारों तथा सामाजिक जीवन का हिस्सा थे।

- संगम साहित्य में वीरता, दान, युद्ध, प्रेम और प्रकृति का विस्तृत वर्णन मिलता है।

परीक्षा तथ्य: संगम युग के तीन प्रमुख राजवंश चेर, चोल और पांड्य थे। इनके प्रतीक क्रमशः धनुष, बाघ और मछली माने जाते हैं।



- प्राचीन संगम चोलों और मध्यकालीन साम्राज्यवादी चोलों में अंतर करना आवश्यक है।
- **विजयालय चोल**: लगभग 9वीं शताब्दी में चोल शक्ति के पुनरुत्थान से संबंधित; तंजावुर पर अधिकार किया।
- **आदित्य प्रथम**: चोल राज्य का विस्तार किया।
- **परांतक प्रथम**: चोल शक्ति को मजबूत किया; उत्तरमेरूर अभिलेख उसके शासनकाल से संबंधित हैं।



राजराज प्रथम



राजेंद्र प्रथम

राजराज प्रथम (985-1014 ई.)

- चोल साम्राज्य का प्रमुख विस्तारक शासक।
- श्रीलंका के बड़े भाग और दक्षिण भारत के क्षेत्रों पर चोल प्रभाव का विस्तार किया।
- बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण तंजावुर में कराया।
- मंदिर का निर्माण लगभग 1010 ई. में पूरा हुआ।
- मंदिर अभिलेखों से भूमि अनुदान, दान, मंदिर प्रशासन और आर्थिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है।

राजेंद्र प्रथम (1012/1014-1044 ई.)

- राजराज प्रथम का पुत्र और उत्तराधिकारी।
- गंगा क्षेत्र तक सफल सैन्य अभियान के बाद गंगैकोंडचोलपुरम नामक नई राजधानी स्थापित की।
- दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर समुद्री अभियान चलाया।
- चोल साम्राज्य की समुद्री शक्ति और व्यापारिक संपर्कों को बढ़ाया।

अन्य प्रमुख शासक

- **कुलोत्तुंग प्रथम**: चोल राज्य के प्रशासन और राजनीतिक स्थिरता से संबंधित प्रमुख शासक।
- चोल साम्राज्य का प्रभाव 11वीं-12वीं शताब्दी में चरम पर रहा।
- 13वीं शताब्दी में चोल शक्ति कमजोर हुई और पांड्य शक्ति का पुनरुत्थान हुआ।



लगभग 850 ई.
विजयालय
चोल



985-1014
ई.
राजराज
प्रथम



लगभग 1010
ई.
बृहदीश्वर
मंदिर



1012/1014-1044
ई.
राजेंद्र प्रथम

- **लगभग 850 ई.**: विजयालय चोल का उदय।
- **985-1014 ई.**: राजराज प्रथम का शासन।
- **लगभग 1010 ई.**: तंजावुर के बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण पूर्ण।
- **1012/ 1014-1044 ई.**: राजेंद्र प्रथम का शासन; उत्तराधिकार की तिथियों में स्रोतों के अनुसार अंतर मिलता है।
- **11वीं शताब्दी**: चोल साम्राज्य का व्यापक क्षेत्रीय एवं समुद्री विस्तार।

भ्रम से बचें: संगम चोलों के प्रसिद्ध शासक करिकाल थे, जबकि मध्यकालीन साम्राज्यवादी चोलों के प्रमुख शासक राजराज प्रथम और राजेंद्र प्रथम थे।



मंडलम्



वलनाडु



नाडु



गाँव

- राजा शासन का सर्वोच्च अधिकारी था।
- साम्राज्य को प्रशासनिक इकाइयों में बाँटा गया था; मंडलम्, वलनाडु और नाडु प्रमुख प्रशासनिक स्तरों में शामिल थे।
- गाँव स्थानीय प्रशासन की महत्वपूर्ण इकाई था।
- उत्तरमेरूर अभिलेख: चोल कालीन ग्राम प्रशासन और समितियों के गठन की जानकारी देते हैं।
- स्थानीय संस्थाओं में ग्राम सभाएँ तथा विभिन्न प्रशासनिक समितियाँ महत्वपूर्ण थीं।
- कुडवोलै प्रणाली: उत्तरमेरूर के अभिलेखों में वर्णित स्थानीय समिति चयन की पद्धति, जिसमें पात्र व्यक्तियों के नाम लिखी पर्चियों का उपयोग किया जाता था।



- कावेरी डेल्टा: उपजाऊ कृषि क्षेत्र और चोल अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार।
- सिंचाई, जलाशयों और नहरों ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिया।
- भूमि राजस्व राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था।
- मंदिर धार्मिक केंद्र होने के साथ-साथ भूमि, दान, रोजगार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों से भी जुड़े थे।
- चोलों का समुद्री व्यापार दक्षिण-पूर्व एशिया तथा हिंद महासागर के व्यापारिक क्षेत्रों से जुड़ा था।
- चोल नौसेना ने समुद्री अभियानों और व्यापारिक संपर्कों में भूमिका निभाई।



- चोल स्थापत्य द्रविड़ शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।
- बृहदीश्वर मंदिर, तंजावुर: राजराज प्रथम द्वारा निर्मित; शिव को समर्पित।
- गंगैकोंडचोलेश्वरम मंदिर: राजेंद्र प्रथम द्वारा स्थापित राजधानी गंगैकोंडचोलपुरम से संबंधित।
- ऐरावतेश्वर मंदिर, दारासुरम: चोल मंदिर स्थापत्य का प्रमुख उदाहरण।
- तंजावुर का बृहदीश्वर मंदिर, गंगैकोंडचोलेश्वरम और दारासुरम का ऐरावतेश्वर मंदिर महान जीवित चोल मंदिरों के अंतर्गत यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं।
- चोल कांस्य मूर्तिकला विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- नटराज की कांस्य प्रतिमा: चोल कला की प्रमुख पहचान।



- संगम युग के तीन राजवंश: चेर, चोल और पांड्य।
- चोल प्रतीक: बाघ।
- पांड्य प्रतीक: मछली।
- चेर प्रतीक: धनुष।
- संगम चोलों का प्रसिद्ध शासक: करिकाल।
- मध्यकालीन चोल साम्राज्य का प्रमुख विस्तारक: राजराज प्रथम।
- गंगैकोंडचोलपुरम की स्थापना: राजेंद्र प्रथम।
- बृहदीश्वर मंदिर: तंजावुर, तमिलनाडु।
- उत्तरमेरूर अभिलेख: स्थानीय स्वशासन एवं ग्राम प्रशासन।
- कुडवोलै प्रणाली: स्थानीय समिति चयन की पद्धति।



Sangam Age and Chola Empire



1 Introduction to the Sangam Age



Cheras

+

Cholas

+

Pandyas

- **Sangam Age:** An important period in the history of ancient South India, particularly the Tamil region.
- **Main region:** Present-day Tamil Nadu and adjoining Tamil-speaking areas.
- **Major dynasties:** Cheras, Cholas and Pandyas.
- Sangam literature provides information about ancient Tamil society, politics, economy, trade, religion and culture.
- Traditional accounts describe assemblies of Tamil scholars and poets; legendary descriptions must be distinguished from independently established historical evidence.

2 Major Literary Sources



Ettuthokai
8 anthologies

+

Pattuppattu
10 long poems

Work / Collection	Main feature
Tolkappiyam	Ancient Tamil grammar and poetics
Ettuthokai	Eight anthologies of poetry
Pattuppattu	Ten long poems
Akananuru	Poetry concerning love and personal life
Purananuru	War, heroism, generosity and public life
Silappadikaram	Tamil epic traditionally attributed to Ilango Adigal
Manimekalai	Tamil epic associated with Buddhist ideas

Important Facts

- **Ettuthokai and Pattuppattu:** Major collections of Sangam literature.
- **Tolkappiyam:** A major work on Tamil grammar and literary conventions.
- **Silappadikaram and Manimekalai:** Important epics associated with the post-Sangam literary tradition.
- **Akam:** Themes of love and personal life.
- **Puram:** Public life, warfare, heroism and social values.

3 Society and Economy



- Agriculture, pastoralism, handicrafts and maritime trade were major economic activities.
- Evidence indicates trade connections with the Roman world.
- Important traded goods included pepper, pearls, textiles and luxury products.
- Ports and maritime commerce played an important role in the economy of southern India.



Cheras
Bow

Cholas
Tiger

Pandyas
Fish

Dynasty	Main region	Major capital / centre	Emblem
Cheras	Present-day Kerala and western Tamil region	Vanji; Karur is also associated with the Cheras	Bow
Cholas	Kaveri Valley and eastern Tamil region	Uraiyur; Puhar was an important port	Tiger
Pandyas	Southern Tamil region	Madurai	Fish

- **Senguttuvan**: Famous Chera ruler associated with the Pattini cult in Tamil literary tradition.
- **Karikala**: Famous Sangam Chola ruler associated with victory in the Battle of Venni.
- **Nedunjeliyan**: One of the important Pandya rulers mentioned in Sangam literature.
- **Korkai**: Ancient Pandya port famous for pearl trade.
- **Puhar / Kaveripattinam**: Important maritime trading centre of the Cholas.
- **Muziris**: Famous ancient trading port associated with the Chera region.



The concept of Thinaï connects geographical landscapes with occupations and ways of life.

Thinaï	Landscape	Main activity
Kurinji	Mountains	Hunting and gathering
Mullai	Forests and pastoral lands	Cattle rearing
Marutham	Fertile agricultural plains	Agriculture
Neithal	Coastal region	Fishing and maritime trade
Palai	Arid landscape	Difficult journeys and conflict



- The king was the principal political authority, supported by local chiefs and warriors.
- Agriculture was the economic foundation; paddy, sugarcane, cotton and pepper were important products.
- Maritime trade connected southern India with the Roman world and other overseas trading regions.
- Poets, singers and dancers participated in courtly and social life.
- Sangam literature contains extensive references to heroism, generosity, warfare, love and nature.

Exam fact: The three major dynasties of the Sangam Age were the Cheras, Cholas and Pandyas. Their traditional emblems were the bow, tiger and fish, respectively.



- The ancient Sangam Cholas must be distinguished from the medieval imperial Cholas.
- **Vijayalaya Chola**: Associated with the revival of Chola power in the 9th century; captured Thanjavur.
- **Aditya I**: Expanded Chola territory.
- **Parantaka I**: Strengthened Chola power; the Uttaramerur inscriptions are associated with his reign.



Rajaraja I

Son
→

Rajendra I

Rajaraja I (985–1014 CE)

- A major ruler responsible for expanding the Chola Empire.
- Extended Chola influence over parts of southern India and Sri Lanka.
- Commissioned the Brihadisvara Temple at Thanjavur.
- The temple was completed around 1010 CE.
- Its inscriptions provide information about land grants, donations, temple administration and economic activities.

Rajendra I (1012/1014–1044 CE)

- Son and successor of Rajaraja I.
- Established Gangaikondacholapuram as a new capital following a successful military expedition towards the Ganga region.
- Conducted maritime expeditions towards Southeast Asia.
- Expanded the maritime influence and trading connections of the Chola Empire.

Other Important Rulers

- **Kulottunga I**: An important ruler associated with Chola administration and political consolidation.
- Chola power reached a high point during the 11th and 12th centuries.
- Chola power declined during the 13th century as Pandya power revived.



c. 850 CE
Vijayalaya
Chola



985–1014
CE
Rajaraja
I



c. 1010 CE
Brihadisvara
Temple



1012/1014–
1044 CE
Rajendra I

- **c. 850 CE**: Rise of Vijayalaya Chola.
- **985–1014 CE**: Reign of Rajaraja I.
- **c. 1010 CE**: Completion of the Brihadisvara Temple at Thanjavur.
- **1012/ 1014–1044 CE**: Reign of Rajendra I; sources differ on the precise accession chronology.
- **11th century**: Extensive territorial and maritime expansion of the Chola Empire.

Avoid confusion: Karikala was a famous ruler of the Sangam Cholas, whereas Rajaraja I and Rajendra I were major rulers of the medieval imperial Cholas.

10 Administrative System



Mandalam



Valanadu



Nadu



Village

- The king was the supreme authority.
- The empire was divided into administrative units, including mandalam, valanadu and nadu.
- The village was an important unit of local administration.
- Uttaramerur inscriptions: Provide evidence about village administration and local committees under the Cholas.
- Village assemblies and administrative committees played important roles in local governance.
- Kudavolai system: A method of selecting local committee members described in the Uttaramerur inscriptions, involving the use of inscribed palm-leaf tickets bearing eligible candidates' names.

11 Economy and Trade



- Kaveri Delta: Fertile agricultural region and an important foundation of the Chola economy.
- Irrigation, reservoirs and canals supported agricultural production.
- Land revenue was a major source of state income.
- Temples were religious centres and were also connected with landholding, donations, employment and local economic activity.
- Chola maritime trade connected South India with Southeast Asia and Indian Ocean trading regions.
- The Chola navy played a role in maritime expeditions and commercial connections.

12 Art and Architecture



- Chola architecture is a major example of the Dravidian style.
- Brihadisvara Temple, Thanjavur: Dedicated to Shiva and commissioned by Rajaraja I.
- Gangaikondacholeeswaram Temple: Associated with the capital established by Rajendra I at Gangaikondacholapuram.
- Airavatesvara Temple, Darasuram: An important example of Chola temple architecture.
- The Brihadisvara Temple at Thanjavur, Gangaikondacholeeswaram and Airavatesvara Temple at Darasuram are included in UNESCO's World Heritage listing of the Great Living Chola Temples.
- Chola bronze sculpture is particularly famous.
- Bronze Nataraja: One of the best-known representations of Chola artistic achievement.

13 Important Facts for Competitive Examinations



- Three Sangam dynasties: Cheras, Cholas and Pandyas.
- Chola emblem: Tiger.
- Pandya emblem: Fish.
- Chera emblem: Bow.
- Famous Sangam Chola ruler: Karikala.
- Major imperial Chola ruler: Rajaraja I.
- Founder of Gangaikondacholapuram: Rajendra I.
- Brihadisvara Temple: Thanjavur, Tamil Nadu.
- Uttaramerur inscriptions: Local self-government and village administration.
- Kudavolai system: Method of selecting local committee members.